नेटवर्क मार्किटिंग

सौलहवाँ फ़िक्ही सेमिनार (आज़म गढ) दिनांक 10-13 रबीउल अव्वल 1428 हिजरी, 30 मार्च - 2 अप्रैल 2007 ई॰ को आयोजित हुआ।

.1 मल्टी लेवल मार्किटिंग की प्रचलित शक्लें विभिन्न बिगाड़ वाली हैं। इसमें धोखा, चालबाज़ी, ख़रीद-फ़रोख्त को एक दूसरी वस्तु के साथ शर्त के साथ बांधना, एक मामले को दो मामलों से जोड़ देना आदि शरीअत के विरुद्ध बातें पाई जाती हैं और ख़रीदारों का असल उद्देश्य सामान खरीदना नहीं होता, बल्कि असाधारण कमीशन प्राप्त करना होता है। इसलिए इसमें भाग लेना वैद्य नहीं है।

.2 चूंकि इसमें भाग लेना वैद्य नहीं, इसलिए दूसरों को इसमें सम्मिलित करना और नीचे के सदस्यों के माध्यम से कमीशन हासिल करना भी वैद्य नहीं है।

.3 मुसलमानों को इस प्रकार के समस्त कारोबार से बचना चाहिए और किसी भी ऐसी तिजारत में सम्मिलित नहीं होना चाहिए जो इस्लाम के निर्धारित किए हुए तिजारती नियमों से टकराती हो।

☆☆☆